p>

Title: Need to find out permanent solution of flood in Bihar.

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया) : महोदय, मैं अररिया लोक सभा, नेपाल के किनारे से आता हूं । शुक्रवार को इसी सदन में खबर आई कि मेरे यहां बाढ़ आ गई है । मैं शुक्रवार को वहां गया और किसी तरह वहां पहुंच पाया । मैंने चार दिनों तक लगातार दौरा किया । मैं बड़े महत्वपूर्ण विषय पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं ।

बिहार के 12 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं, परंतु मेरे यहां 15 आदमियों की मृत्यु हो गई है । वे बाढ़ में फंस गए थे । यह बाढ़ हर साल आती है, कभी कम, कभी ज़्यादा । मेरा यह कहना है कि बिहार में सरकार रिलीफ बांट रही है, अच्छा काम कर रही है । केन्द्र से भी मदद मिल जाएगी, लेकिन इसका परमानेन्ट उपाय किया जाए । नेपाल सरकार से बात कर के वहां डैम बनाया जाए ।

महोदय, हमारे यहां एक अन्य महत्वपूर्ण विषय भी है । महानन्दा एक बड़ी नदी है और कोसी नदी है । महानन्दा और कोसी नदी के बीच परिबान, बकरा, सुरसर, नूना, कनकई ऐसी अनेक नदियां हैं, जो इन नदियों की सहायक नदियां हैं । नेपाल में भारी बारिश के कारण इन नदियों में इतना पानी आता है, जिससे किसानों की फसल तो बर्बाद होती ही है, साथ ही जान-माल का भी नुकसान होता है । वर्ष 2017 में भी वहां भारी बाढ़ आई थी । वर्ष 2008 में भी बाढ़ आई थी । यह गंभीर मसला है । धन्यवाद ।